महर्षि दयानन्द लॉ कॉलेज 2018–19 (MDLC)

LL.B – III

Law of Evidence (Paper I)

Q.1 Confession made by the accused is inadmissible in evidence". Discuss the statement in detail with it's exceptions if any.

प्रश्न.1 आरोपी द्वारा की गई संस्वीकृति साक्ष्य के रूप में अस्वीकार्य / अग्राह्म है।' इस कथन का विस्तार से अपवादों सहित वर्णन कीजिये यदि कोई है। तो

Q.2 What is 'dying declaration'? Give its essential ingredients.

प्रश्न.2 'मृत्युकालिका कथन' क्या है? इसके प्रधान व अनिवार्य संघटक /तत्व बताइये।

Q.3 Write an appraise of privileged communication under the Indian Evidence Act, 1872.

प्रश्न.3 भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 के अन्तर्गत 'विशेषाधिकार सूचनाओं' का मूल्यांकन कीजिये।

Q.4 In a criminal trial the burden of proof is always on the prosecution. Has this rule any exceptions? Discuss.

प्रश्न.4 आपराधिक परीक्षण / विचारण में सबूत का भार सदैव अभियोजन पक्ष पर होता है? क्या इस नियम का कोई अपवाद है? वर्णन कीजिये।

Q.5 "Burden of Proof is like a pivot over which the whole law of evidence revolves." Explain the statement.

प्रश्न.5 ''सबूत का भार एक ऐसी धुरी है जिसे पर सम्पूर्ण साक्ष्य विधि घूमती है।'' इस कथन की व्याख्या कीजिए।

Q.6 "Cross examination is a double edged weapon, it has to be handled carefully otherwise it cuts the hands of the user." Comment.

प्रश्न.6 ''प्रतिरीक्षा एक दुधारी हथियार है, इसे सावधानी से प्रयोग में लेना चाहिए अन्यथा यह इसे प्रयोग में लेने वाले के हाथ काट देता है।'' समीक्षा कीजिए।

Q.7 What is estoppels? Explain in detail and also discuss various kinds of estoppels explained in the Indian Evidence Act.

प्रश्न.7 विबंधन क्या है? विस्तारपूर्वक समझाइये तथा विभिन्न प्रकार के विबंधन, जो भारतीय साक्ष्य अधिनियम में दिए गए हैं, की विवेचना कीजिये।

Q.8 "Documentary evidence excludes oral evidence." Discuss this statement with the help of Sections 91 and 92 and explain whether Section 92 is complementary or contradictory of Section 91.

प्रश्न.8 ''दस्तावेजी साक्ष्य मौखिक साक्ष्य की सम्मिलित नहीं करती।'' इस कथन की धारा 91 व 92 की सहायता से विवेचन कीजिए तथा समझाइये कि धारा 92 धारा 91 की सहयोगी है या विरोधी।

Q.9 Point out the circumstances in which secondary evidence of the documents may be given.

प्रश्न.9 उन परिस्थितियों का उल्लेख कीजिये जिनमें दस्तावेजों का द्वितीयक साक्ष्य दिया जा सकेगा।

Q.10 "Improper admission of evidence is not by itself a ground for reversal of decision if there is other evidence to support it." Support it." Support your answer with reasons.

प्रश्न.10 ''साक्ष्य की अनुचित ग्राह्यता किसी न्यायालय के निर्णय को रद् नहीं कर सकती यदि उसकी पुष्टि के लिए अन्य उचित साक्ष्य हो।'' कारण सहित उत्तर दीजिये।

Q.11 Explain the rule of "Professional Communication". What are the circumstances where under the rule of professional communication is not applicable?

प्रश्न.11 वृत्तिक संसूचना के नियम को समझाइये। वे कौनसी परिस्थितियाँ हैं जिनमें वृत्तिके संसूचना का नियम लागू नहीं होता?

Q.12 Who is an "expert"? Which are the subjects in relation to which opinion of experts may be obtained by the court? What is the value of expert opinion?

प्रश्न.12 ''विशेषज्ञ'' कौन हैं? वे कौन से विषय हैं जिनके सम्बन्ध में विशेषज्ञों की राय न्यायालय के द्वारा प्राप्त की जा सकती है? विशेषज्ञ की राय का क्या महत्व है?

Maharshi Dayanand Law College

महर्षि दयानन्द लॉ कॉलेज 2018–19 (MDLC)

LL.B – III

Cr. Pc. 1973 (Paper II)

प्रश्न 1. निम्न को परिभाषित एवं अंतर स्पष्ट कीजिए–

(1) परिवाद व प्रथम सूचना रिपोर्ट (2) संज्ञेय व असंज्ञेय मामला (3) जमानती व अजमानती अपराध

(4) शयनीय व अशयनीय अपराध (5) जांच व विचारण

Q. 1. Explain and distinguish between the following—

(1) complaint and F.I.R. (2) Cognizable and Non-Cognizable (3) Bailable and Non-bailable

(4) Compoundabel and Non-compoundable (5) Enquiry and Trial

प्रश्न 2. दण्ड प्रक्रिया संहिता के अनुसार विभिन्न न्यायालयों के गठन कार्य और शक्तियॉ का वर्णन कीजिए। मृत्यु दण्ड कौनसा न्यायालय दे सकता है?

Q. 2. Describe the constitution, functions and powers of various courts according to the criminal procedure code. Who can pass sentence of death?

प्रश्न 3 धारा 125 के अन्तर्गत भरण–पोषण की मांग कौन कर सकता है। भरण–पोषण के आदेश का पालन न करने के क्या परिणाम होगें।

Q.3 Who can claim maintenance under section 125 of the code of criminal procedure what will be consequence if a person does not obey the order.

प्रश्न 4 प्रत्येक सुभिन्न अपराध के लिए जिसका किसी व्यक्ति पर अभियोग हैं पृथक आरोप होगा और ऐसे प्रत्येक आरोप का विचारण पृथकतः किया जाएगा समझाइये और इस नियम के अपवाद बताइये।

Q.4. For every distinct offence of which any person is accused there shall be a separate charge and every such charge shall be tried separately be explain and give exception to this rule.

प्रश्न 5 अग्रिम जमानत के प्रावधानों का विश्लेषण कीजिए। क्या कत्ल के मुकदमें में अग्रिम जमानत ली जा सकती है? यदि हॉ तो कब?निर्णीत वादों का उल्लेख कीजिए।

Q. 5 Analyse the provisions about the grant of anticipatory bail can such a bail be allowed in a murder case? If so when? Cite case laws.

प्रश्न 6 आपराधिक मामलों में उच्च न्यायालय व सेशन न्यायालय की अपीलीय व पुनरीक्षण शक्तियों को स्पष्ट कीजिए। निर्देश व पुनरीक्षण में अंतर भी लिखिए।

Q.6 Explain the appellate and revisional powers of the HC and court of session in criminal cases. Point out the difference between reference and revision?

प्रश्न 7. निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखो–

(1) संक्षिप्त विचारण (2) अपीलीय न्यायालय की शक्ति

(3) मृत्यु समिक्षा (4) उच्च न्यायालय की अन्तर्निहित शक्ति

Q. 7. Write a short not on the following—

(1) Summary trial (2) Interent power of HC

(3) Inquest Report (4) Power of Appellate court

प्रश्न 8 समन केस और वारण्ट केस में तथा उनकी परीक्षण प्रक्रिया में अंतर स्पष्ट कीजिए?

Q. 8 Distinguish between summon case and warrant case and their trial procedure?

प्रश्न 9 किसी निर्णय की भाषा अर्न्तवस्तु व उसके सुनाए जाने से सम्बन्धित दण्ड प्रक्रिया संहिता के प्रावधानों की विवेचना कीजिए। क्या न्यायालय निर्णय सुनाए जाने के बाद उसे बदल सकता है?

Q.9 Explain the provisions of criminal procedure code regarding language contents and modes of delivery of a judgement. Can a court alter a judgement after it has been delieverd.

प्रश्न 10. परीवीक्षा किसे कहते है? एक अभियुक्त के विरुद्ध उसके अपराध की दोषसिद्धि होने पर उसे परीवीक्षा पर या भर्त्सना के पश्चात् छोडने के आदेश से सुसंगत अपराधी परीवीक्षा अधिनियम 1958 तथा दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 में उपबंधित विधि का विवेचन कि जाए।

Q.10 Define the term probation? Discuss the law provided in the probation of offenders act 1958 and criminal procedure code 1973 relevant to an order to release an accused convicted of an offence on probation or after admonition?

प्रश्न 11 किशोर न्याय अधिनियम 2000 के क्या उद्देश्य है? अपने उद्देश्यों की पूर्ति में यह अधिनियम कहॉ तक सफल हुआ है? आलोचलनात्मक टिप्पणी कीजिए और तर्कपूर्ण उत्तर कीजिए।

Q- 11 what are the objects of Juvenile act 2000? How far the act has been successful in achieving its objects? Comment critically and write logically.

Maharshi Dayanand Law College

महर्षि दयानन्द लॉ कॉलेज 2018–19 (MDLC)

LL.B – III

Code of Civil Procedure and Limitation Act (Paper III)

Q.01 What do you understand by term "Jurisdiction" of Civil courts? What are the different kinds of jurisdiction of civil courts? Explain.

प्रश्न.01 दीवानी न्यायालय की अधिकारिता से आप क्या समझते हैं? दीवानी न्यायालय की विभिन्न अधिकारिताएँ क्या–क्या है?

Q.2 Define Decree. What are the essential elements of a decree? Distinguish between decree and order.

प्रश्न.2 आज्ञप्ति को परिभाषित कीजिए। आज्ञप्ति के आवश्यक तत्व क्या हैं? आज्ञप्ति और आदेश में अन्तर स्पष्ट कीजिये।

Q.3 Discuss fully the different modes of effective service of summons on defendants.

प्रश्न.3 सम्मन की प्रतिवादी पर तामील करने के विभिन्न तरीकों को विस्तृत रूप से समझाइए।

Q.4 Explain power about transfer of suits, by courts about general power of transfer and withdrawal by courts and also explain power of Supreme Court to transfer suits etc.

प्रश्न.4 न्यायालयों की वादों को अन्तरण करने के सम्बन्ध में शक्ति, अन्तरण और प्रत्याहरण की साधारण शक्ति एव वादों आदि के अन्तरित करने की उच्चतम न्यायालय की शक्ति को समझाइये।

Q.5 How many types of Appeal in C.P.C.? Explain them in short.

प्रश्न.5 सिविल प्रक्रिया संहिता में कितने प्रकार की अपीलें हैं? संक्षिप्त में समझाइये।

Q.6 Explain Attachment before judgment and Arrest before Judgment.

प्रश्न.6 निर्णय के पहले कुर्की व निर्णय के पहले गिरफ्तारी समझाइये।

Q.7 Explain the ingredients for issuing Temporary Injunction. Whether the defendant can apply for Temporary Injunction?

प्रश्न.7 अस्थायी निषेधाज्ञा जारी करने हेतु आवश्यक तत्वों को वर्णन कीजिए। क्या प्रतिवादी अस्थायी निषेधाज्ञा हेतु प्रार्थना–पत्र दे सकता है?

Q .8 What are the various rules as to disability extending under Section 6,7 and 8 of the Limitation Act?

प्रश्न.8 मर्यादा अधिनियम की धारा 6,7 एवं 8में अयोग्यता, जिसके कारण समय अवधि बढ़ जाती है, से सम्बन्धित क्या नियम हैं?

Q-9 Under what what circumstances can an acknowledgement extend the period of limitation?

प्रश्न.9 किन परिस्थितियों में अभिस्वीकृति अवधि का विस्तार कर सकती हैं?

Q.10 Explain Reference, Review and Revision in detail.

प्रश्न.10 निर्देशन, पुनर्विलोकन और पुनरीक्षण को विस्तार से समझाइये।

Q.11 What is the procedure relating to suit by or against minors and person of unsound mind?

प्रश्न.11 अवयस्कों और विकृतचित्त व्यक्तियों द्वारा या उनके विरूद्ध वाद करने सम्बन्धी प्रक्रिया की विवेचना कीजिये।

Q.12 What are the modes of paying money under decree? What are the provisions regarding attachment of debt, share and other property not in possession of judgement-debtor?

प्रश्न.12 डिक्री के अधीन धन के संदाय की क्या रीतियाँ हैं? ऐसे ऋण, अंश या अन्य सम्पत्ति की कुर्की जो निर्णीत ऋणी के कब्जे में नहीं हैं, उनसे सम्बन्धित प्रावधान क्या हैं?

Q.13 What do you understand by the doctrine of constructive res judicata ? When does a decision operate as res judicata between co-defendants?

प्रश्न.13 प्रलक्षित प्राड्न्याय के सिद्धान्त से आप क्या समझते हैं? कोई निर्णय सह प्रतिवादियों के बीच कब प्राड्न्याय के रूप में लागू होगा।

Maharishi Dayanand Law College

महर्षि दयानन्द लॉ कॉलेज 2018–19 (MDLC)

LL.B – IV
(ARBIT.,CONC.& ALT.DISP.)

नोटः– निम्नलिखित प्रश्न केवल अनुमान है इन पर पूर्णतः निर्भर नही रहें।

Q. 1. Discuss the salient features of the Arbitrution and conciliation Act 1996. Point out the scope and objects of this Act.

प्रश्न 1. माध्यस्थम एवं सुलह अधिनियम, 1996 की प्रमुख विशेषताओं की विवेचना कीजिये। इस अधिनियम के विस्तार एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डालिए।

Q.2. What is meant by Arbitrution Agreement ? Discuss the essential elements of a valid Arbitrution agreement.

प्रश्न 2. माध्यस्थम् करार से क्या अभिप्राय है ? एक माध्यस्थम करार के आवश्यक तत्वों की विवेचना कीजिए।

Q.3. Write short notes on the following–

(1) Power of refer parties to Arbitution where there is an arbitration agreement.

(2) Interim mensures etc. by court and Intersim measures by Arbitral Tribunal.

प्रश्न 3. निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणीयाँ लिखिए–

(1) माध्यस्थम् करार होने की स्थिति में पक्षकारों को मध्यस्थ के लिए निर्देश।

(2) न्यायालय द्वारा अन्तरिम उपाय एवं माध्यस्थम द्वारा अन्तरिम उपाय।

Q.4 Discuss the constitution and Jurisdiction of Arbitral Tribunal.

प्रश्न.4 माध्यस्थम् अधिकरण के गठन और अधिकारिता पर प्रकाश डालिये।

Q. 5. Define an arbitrial award what are different kinds of an award ? Discuss the essentials of a valid award ? When a Arbitrution Award can be set aside

प्रश्न 5. माध्यस्थम् पंचाट को परिभाषित कीजिए। पंचाट के विभिन्न प्रकार क्या है। एक वैध पंचाट के आवश्यक लक्षणों की विवेचना कीजिये। कब पंचाट को अपास्त किया जा सकता है।

Q. 6. Discuss the appointment and role of consiliation ? How are the conciliation proceeding conducted ?

प्रश्न 6. सुलहकारों की नियुक्ति एवं उनकी भूमिका की विवेचना कीजिए ? सुलह की कार्यवाही किस प्रकार संचालित की जाती है।

Q. 7. Discuss the organization and function of national legal services Authority.

प्रश्न 7. राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के गठन व कार्य की विवेचना कीजिये।

Q.8. What do you mean by Lok Adalat ? Discuss the jurisdiction and power of Lok Adalat.

प्रश्न 8. लोक अदालत से आपका क्या अभिप्राय है? लोक अदालतों की अधिकारिता एवं शक्तियों की विवेचना कीजिए।

Q.9. Define foreign Award. How can Foreign award be enfoced under the Newyork Convention 1958 ?

प्रश्न 9. विदेशी पंचाट की परिभाषा दीजिये। एक विदेशी पंचाट को न्यूयार्क अभिसमय 1958 के अन्तर्गत किस प्रकार प्रभावी किया जा सकता है।

Q. 10. Write short note on any two of the following—

(i) Appelate order — अपीलीय आदेश

(ii) Settlement — निपटारा

(iii) International Commerial Arbitrution — अन्तर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक माध्यस्थम।

(iv) Modification of Award — पंचाट का उपान्तरण

(v) Arbitrution— माध्यस्थम्।

Maharishi Dayanand Law College

महर्षि दयानन्द लॉ कॉलेज 2018–19 (MDLC)

LL.B – III

LAND LAW (Paper V)

Q.1 Write short notes on:

(A) Revenue (B) Abadi Land (C) Nalbat (D) Grove land (E) Khudkast

प्रश्न.1 निम्नांकित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिये–

(अ) राजस्व (ब) आबादी भूमि (स) नालबट (द) निकुन्ज भूमि (य) खुदकाश्त

Q.2 Explain the composition, Jurisdiction and power of the Revenue board. In whom right to refer vests and when?

प्रश्न.2 राजस्व बोर्ड की रचना, अधिकार, क्षेत्र और शक्तियाँ समझाइये। राजस्व बोर्ड में किसके पास सही और निहित करने का अधिकार है और कब?

Q.3 Explain the provisions relating to appeal, revision, reference and review in the Rajasthan Tenancy Act, 1955.

प्रश्न.3 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम, 1955 के अन्तर्गत अपील, पुनरीक्षण,निर्देशन एवं पुनर्विलोकन से सम्बन्धित प्रावधानों को समझाइये।

Q.4 What do you understand by land? State the lands in which khatedari rights shall not accrue.

प्रश्न.4 भूमि से आपका क्या अभिप्राय है? उन भूमियों का उल्लेख कीजिए जिनमें खातेदारी अधिकार प्रोद्भूत नहीं होगी।

Q.5 Expalin the provisions relating to appeal, revision, reference and review in the Rajasthan Tenancy, Act, 1995.

प्रश्न.5 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम, 1955 के अन्तर्गत अपील, पुनरक्षिण, निर्देशन एवं पुनर्विलोकन से सम्बन्धित प्रावधानो को समझाइये।

Q.6 Who is Khatendar Tenant? On which lands do Khatedari rights not accrue?

प्रश्न.6 खातेदार अभिधारी कौन है? कौनसी भूमियों पर खातेदारी अधिकार प्रोद्भूत नहीं होंगे?

Q.7 Write notes on-

(i) Define and differentiate between Rent, Revenue and Sayar

(ii) Define Khudasht and land cultivated personally and differentiate between them.

प्रश्न.7 निम्न पर टिप्पणी लिखिये–

(1) लगान, राजस्व एवं सायर को परिभाषित कर इनमें भेद बताइये।

(2) 'खुदकाश्त' एवं' भूमि जिसमें खुद ने काश्त की हो' को परिभाषित कीजिये और इनमें भेद कीजिए।

Q.8 Write notes on-

(i) Tenant (ii) Landlord (iii) Amenities

प्रश्न.8 टिप्पणी कीजिये–

(1) किरायेदार (2) भू–स्वामी (3) सुख–सुविधायें

Q.9 What remedies are available against wrongful ejectment under Rajasthan Tenancy Act, 1955? When may a Revenue court grant temporary and perpetual injunction?

प्रश्न.9 राजस्थान कारश्तकारी अधिनियम, 1955 के अन्तर्गत दोषपूर्ण बेदखली के विरूद्ध क्या उपचार उपलब्ध हैं? एक राजस्व न्यायालय कब अस्थाई तथा स्थाई व्यादेश पारित कर सकता है?

Q.10 What is difference between Record of Rights and Annual Registers? Explain mutation proceeding. How can the rights of parties decided in the mutation proceedings be challenged?

प्रश्न.10 अधिकारों के अभिलेख एवं वार्षिक रजिस्टर में क्या अन्तर है? नामान्तरण कार्यवाही को समझाइए। नामान्तरण कार्यवाही में निर्णीत पक्षकारों के अधिकारों को किस प्रकार चुनौती दी जा सकती हैं?

Q.11 Briefly explain the different modes of recovery of arrears of land revenue.

प्रश्न.11 बकाया भू राजस्व की वसूली के विभिन्न तरीकों का संक्षेप में विवेचन कीजिये।

Q.12 What do you understand by Settlement? Explain the duties and functions of a Settlement Officer.

प्रश्न.12 बन्दोबस्त से आप क्या समझते हैं? बन्दोबस्त अधिकारी के दायित्व और कार्यों की व्याख्या कीजिये।

Maharshi Dayanand Law College

महर्षि दयानन्द लॉ कॉलेज 2018–19 (MDLC)

LL.B – III

INTERPRETATION OF STATUTES (Paper VI)

Q.1 Explain the following

(a) NOSCITURA SOCIIS

(B) CONSTRUCTION UT RES MAGIS VALEAT QUAM PEREAT

प्रश्न.01 निम्नलिखित को समझाएँ–

(अ) अर्थान्वयन साहचयेंण ज्ञायते

(ब) अर्थान्वयन अमान्य से मान्य करना अच्छा है

Q.2 "Ordinarily, the duty of the court must apply Literal Rule, but if it leads to absurdity,repugnance, inconvenience, hardship, injustice or evasion, then the duty of the court is to modify the meaning to such an extent and no further as would prevent such a consequence" In this light, fully explain the principle of "Folden Rule" with decided case-laws?

प्रश्न.2 ''सामान्यतः न्यायालय का यह कर्त्तव्य है कि वह 'शाब्दिक नियम' का पालन करें पर यदि उसका पालन करने से निरर्थकता, असंगति, असुविधा, कष्ट, अन्याय, या अस्पष्टता हो तो अभिप्राय को इतना ही रूपान्तिरित किया जाना चाहिए जिससे इस परिणाम को रोका जा सके। ''इस संदर्भ में सम्बन्धित न्यायायिक वादों के साथ 'स्वर्णिम के सिद्धान्त को विस्तार से समझाएं।

Q.3 The Cardinal rule of interpretation of a statute is to read it " literally", that is, by giving to the words their ordinary, natural and grammatical meaning. Discuss citing relevant case laws.

प्रश्न.3 कानूनों के निर्वचन का ठोस नियम ये कहता है कि उसे '' शाब्दिक'' रूप से ही पढ़ना चाहिए जो की है जिसमें, शब्दों को साधारण, प्राकृतिक, एवं व्याकरणीय परिभाषा दी जाती है। सुसंगत न्यायिक निर्णयों को दर्शाते हुए व्याख्या कीजियें।

Q.4 What do you understand by the term "aids to interpretation"? Mention the various Internal and External Aids to Interpretation. Discuss any four of them in each case. (Any four Internal and any four External aid).

प्रश्न.4 ''निर्वचन के सहयोगी'' से आप क्या समझते हैं? निर्वचन के विभिन्न आन्तरकि एवं बाह्य सहयोगियों के बारे में बताएँ। उनमें से किन्हीं चार की प्रत्येक में व्याख्या करें। (किन्हीं चार आन्तरिक तथा किन्हीं चार बाह्य की)

Q.5 A Particular section of the statute shall not be divorced from the rest of the act. The "Ejusdem Generis" rule applies to resolve the problem of giving meaning to groups of words where one of the words is ambiguous or inherently unclear. Discuss.

प्रश्न.5 किसी कानून का अनुभाग उसी कानून के बाकी हिस्से से अलग नहीं होना चाहिए। ''सजाति अर्थान्वयन'' का नियम शब्दों के समूहो का अर्थ स्पष्ट करने के काम आता है जहाँ एक या एक से अधिक शब्द स्वाभाविक रूप से अस्पष्ट हों। चर्चा कीजिए।

Q.7 Write short notes on any two of the following-

(a) Construction: statute should be read as whole.

(b) Mischief rule of Interpretation.

प्रश्न.7 निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षेप में टिप्पणियाँ लिखिये–

(अ) कानून को सम्पूर्ण रूप से पढ़ा जाना चाहिए

(ब) निर्वचन का रिष्टी सिद्धान्त।

Q.8 Discuss the Principal of interpretation of the Indian Constitution. with decided cases.

प्रश्न.8 भारत के संविधान के निर्वचन के विभिन्न सिद्धान्त की निर्णित वादों की सहायता से व्याख्या कीजिये–

Q.10 What do you mean by Interpretation? Distinguish it from construction and describe about the concept of Intention of Legislature. Discuss the basic principles of Interpretation.

प्रश्न.10 निर्वचन से आप क्या समझते हैं? निर्वचन एवं अर्थान्वयन में अन्तर स्पष्ट कीजिए तथा विधायिका के आशय को स्पष्ट कीजिये। निर्वचन के मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कीजिये।

Maharishi Dayanand Law College

Q.11(A)"It is presumed in the court of law that penal laws are not intended to have retrospective operation." Explain the rules applicable for interpretation of penal statutes in the light of above statement.

''न्यायालय इस बात की उपधारणा करते हैं कि दांडिक विधियों को भूतकालिक प्रवर्तन दिया जाना आशायित नहीं है।'' इस कथन के आलोक में दांडिक संविधियों के निर्वचन से संबंधित नियमों की व्याखा कीजिए।

(B) Explain the Special rule of interpretation of fiscal statute supported by decided case.
निर्णीत प्रकरणों की सहायता से राजस्व विधि के निर्वचन के विशिष्ट नियम की विवेचना कीजिये।

Q.13 What is Presumption? What are the various kind of presumption? Explain the importance of these presumption in the interpretation of statutes.

प्रश्न.13 उपधारणा किसे कहते हैं। यह कितने प्रकार की होती हैद्य संविधियों के निर्वचन में इनका क्या महत्व है?

Maharshi dayanand Law College

महर्षि दयानन्द लॉ कॉलेज 2018–19 (MDLC)

LL.B – III

Environmental Law (Paper VII)

Q.1 What are the powers of central government to take measures to protect and improve Environment? Explain under the Environment (protection) Act, 1986.

प्रश्न.1 पर्यावरण एवं संरक्षण अधिनियम, 1986 के अन्तर्गत केन्द्र सरकार की पर्यावरण संरक्षण एवं सुधार को लेकर शक्तियों की विवेचना कीजिये।

Q.2 "Right to pollution free environment is a fundamental right." Explain with reference.

प्रश्न.2 प्रदूषण रहित पर्यावरण का अधिकार एक मूल अधिकर है। संदर्भ सहित विवेचना कीजिए।

Q.3 Explain the following terms in the light of Water (prevention and control pollution) Act, 1974.

(a) Stream (b) Sewer (c) Outlet (d) Trade effluent

प्रश्न.3 (अ) सरिता (ब) मल–नल (स) निकाल (द) बहिस्राव

Q.4 Explain the power and function of central and state boards as constituted under the Air pollution prevention and control Act, 1981.

प्रश्न.4 वायु प्रदूषण निवारण नियंत्रण अधिनियम 1981 के अन्तर्गत गठित केन्द्रीय तथा राज्य बोर्डों की शक्तियों तथा कार्यों की विवेचना कीजिये।

Q.5 What provisions have been made regarding the followings under the Air (Prevention and Control of Pollution) Act 1981.

(a) Power of entry and Inspection
(b) Power to obtain information with regard to air pollution
(c) Power to take sample of air pollution
(d) State Air Laboratory

प्रश्न.5 वायु प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण अधिनियम 1981 के अन्तर्गत समाहित विभिन्न शक्तियों की विवेचना कीजिये–

(अ)प्रवेश एवं निरीक्षण की शक्तियाँ (ब)वायु प्रदूषण के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करने की शक्तियाँ (स) वायु उत्सर्जन के नमूने लेने की शक्तियाँ (द) राज्य वायु प्रयोगशाला

Q.6 Explain the constitution and composition of Joint Boards under water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974 .

प्रश्न.6 जल (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1974 के अन्तर्गत संयुक्त बोर्डों के गठन व उनकी संरचना को समझाइये।

Q.7 Explain the main provisions of the Rajasthan Noise Control Act, 1963.

प्रश्न.7 राजस्थान ध्वनि नियंत्रण अधिनियम, 1963 के मुख्य–मुख्य प्रावधानों का उल्लेख करें।

Q.8 Write detail notes on the following:

(a) Principle of Precaution (b) Principle of Polluter pay

प्रश्न.8 निम्नलिखित पर विस्तृत लेख लिखो–

(अ) पूर्व सावधानी का सिद्धान्त (ब) 'प्रदूषक भुगतान करें' का सिद्धान्त

Q.9 Highlight the contribution of Indian Judiciary in the development of Environment Jurisprudence.

प्रश्न.9 पर्यावरण विधि के विकास में भारतीय न्यायपालिका के योगदान पर प्रकाश डालिये।

Q.10 Discuss penalties and offences under Environment (Protection) Act, 1986.

प्रश्न.10 पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के अन्तर्गत दण्डों एवं अपराधों का वर्ण कीजिये।

Q.11 State the facts, contention of parties, judgement and principles of law laid down in Rural Litigation and Entitlement Kendra, Dehradum Vs State of U.P., AIR 1985 SC 659.

प्रश्न.11 रूरल लिटिगेशन एण्ड एन्टाइटलमेन्ट केन्द्र, देहरादून बनाम उत्तरप्रदेश रज्य, ए.आई.आर.1985 एस.सी.1985 एस.सी.659 वाद के तथ्य, पक्षकारों के तर्क, निर्णय एवं विधि के प्रतिपादित सिद्धान्तों को बताइये।

Maharshi Dayanand Law College

महर्षि दयानन्द लॉ कॉलेज 2018–19 (MDLC)

LL.B – III

CRIMINOLOGY AND PENOLOGY (Paper VIII)

Q. 1. Define and explain the importance of Criminology. Whether it is a Science? Discuss.

प्रश्न 1 अपराधशास्त्र की परिभाषा देते हुए इसके महत्व को समझाइये। क्या अपराध शास्त्र विज्ञान है?विवेचना किजिये।

Q. 2. "Sutherland's & Lombroso contribution to Criminology is Significant.Discuss the Statements.

प्रश्न 2. अपराधशास्त्र के लिये सदरलैण्ड ओर लोम्ब्रोसो का योगदान महत्वपूर्ण है। इस कथण की टिप्पणी कीजिए।

Q.3 Discuss the relationship of alcoholism and drugs with Crime and also suggest measures to check the same.

प्रश्न.3 मद्यपान तथा मादक पदार्थों का अपराध से क्या सम्बन्ध है? विवेचना कीजिये तथा इसे रोकने के तरीकों का सुझाव दीजिये।

Q.4 What do you understand by Organised Crime? Write a short essay on gangsterism and dacoity.

प्रश्न.4 संगठित अपराध से आप क्या समझते हैं? गिरोह द्वारा अपराध करने तथा डकैती डालने के विषय पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

Q.5 Assess the contribution of classical school. Differentiate between classical school and positive school of criminology.

प्रश्न.5 शास्त्रीय विचारधारा के योगदान का मूल्यांकन कीजिए। अपराध की शास्त्रीय विचारधारा एवं निश्चयात्मक विचारधारा में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

Q.6 What do you understand by Juvenile delinquency. What measures would you suggest to reform juvenile offenders?

प्रश्न.6 ''बाल अपराध'' से आप क्या समझते हैं? बाल अपराधियों को सुधारने के लिए आप क्या सुझाव देंगे?

Q.7 What improvements would you suggest in the prison system as prevalent in India so as to make it more effective system for reforming prisoners and restoring them in society as good citizens?

प्रश्न.7 भारत में प्रचलित बन्दीगृह व्यवस्था में सुधार हेतु आप कौन से सुझाव देना चाहते हैं जो कैंदियों के सुधार में तथा समाज में उन्हें अच्छे नागरिक के रूप में।

Q.8 "White collar criminals are much more dangerous to the society then the ordinary criminals." Critically analyse this statement and also discuss the problem of enforcement and judicial attitude in this.

प्रश्न.8 ''सफेदपोश अपराधी साधारण अपराधियों की अपेक्षा समाज के लिए कहीं अधिक खतरनाक होते है।''इस कथन का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिये और सम्बन्ध में प्रवर्तन की समस्या तथा न्यायिक रूख की भी विवेचना कीजिये।

Q.9 Expalin various Principal of Punishment & Discuss the "Prevention of crime is an effective method of prevent commission of crime." Are you satisfied with the efforts made in this field in India? Comment.

प्रश्न.9 दण्ड के विभिन्न सिद्धान्तो की विवेचना कीजिये तथा ''अपराध–निरोध अपराध रोकने का एक सशक्त तरीका है।'' क्या आप इस क्षेत्र में भारत में किये गये प्रयासों से सन्तुष्ट हैं? व्याख्या कीजिये।

Q-10 What is the role of probation in reformation of the offender? Also, distinguish between probation and Parol, indeterminate sentence.

प्रश्न.10 अपराधी के सुधार में परिवीक्षा की क्या भूमिका होती है? परिवीक्षा एवं पेरोल, अनिश्चित दण्ड में अन्तर भी कीजिए।

Q.11 What are different schools of Criminology? Discuss briefly the sociological School of Criminology.

प्रश्न.11 अपराधशास्त्र की विभिन्न शाखाएँ क्या हैं। अपराधशास्त्र की समाजशास्त्रीय शाखा की संक्षपे में विवेचना कीजिये।

Q.12 Write Short Note. संक्षिप्त टिप्पणीयां लिखियें

1.Right of Accused अभियुक्तों के अधिकार

2.Role of criminal courts in the prevention of crime. अपराध निरोध में अपराधिक न्यायालयों की भूमिका।

3. Discuss the constitutional validity Death Punishment. मृत्यु दण्ड की संवैधानिकता की विवेचनाकीजिये।

Maharshi Dayanand Law College

महर्षि दयानन्द लॉ कॉलेज 2018–19 (MDLC)

LL.B – III

Drafting, Pleading & Conveyance (IX Paper)

नोटः– निम्नलिखित प्रश्न केवल अनुमान है इन पर पूर्णतः निर्भर नही रहें।

Q. 1. What do yoe mean by pleading ? Explain the main Principles at pleading and Discuss Particulans Which the plaint Shall contain.

प्रश्न 1. अभिवचन से आप क्या समझते है। अभिवचा के मूल सिद्धान्तों को समझाते हुए वादपत्र के अनर्विष्ट होने वाली प्रविष्टियो की विवेचना कीजिये।

Q. 2. What are the rules it amendment of pleading ? upto what stage of a case can the pleading be amended ?

प्रश्न 2. अभिवचन के संशोधन के नियम क्या है ? वाद के किस स्तर तक अभिवचन को संशोधत किया जा सकता है?

Q. 3. What is a plaint? Discuss its essential elements, When can the count reject a plaint?.

प्रश्न 3 वाद–पत्र क्या है? इसके आवश्यक तत्वों की विवेचना कीजिये। न्यायालय एक वाद–पत्र कब निरस्त कर सकता है?

Q.4 Explain

(A) Draft a Gift Deed assuming necessary facts.

(B). Assuming necessary facts, droft a plaint to Clain damages for malicious prosecution.

(अ) आवश्यक तथ्यों की अवधारणा करते हुए एक दान–पत्र का प्रारूप बनाइये।

(ब) क्षतिपूर्ति प्राप्ति हेतु एक विद्वेषर्पूण अभियोजन के वाद का प्रारूप आवश्यक तथ्यों की अवधारणा कर बताइये।

Q. 5 Explain the writ of Habeas corpus and make it's draft .

प्रश्न 5 बंदी प्रत्यक्षीकरण रिट को समझाओं तथा प्रारूप बनाइये।

Q. 6 Draft a plaint and written statement for the recoveray of money .

प्रश्न 6 धन की वसूली के लिए वाद पत्र एवं लिखित कथन का प्रारूप तैयार कीजिए।

Q.7 Draft an application for grant of a temporary injunction along with and affidivit in support of it.

प्रश्न 7 अस्थाई निषेधज्ञा प्राप्त करने के लिए एक प्रार्थना पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए तथा उसके समर्थन में एक शपथ पत्र भी दीजिए।

Q-8 A charge given by a debtor to a creditor has been dishonoured by bank on account of insufficient funds draft a legal notice on behalf of creditor to the debtor for payment of the debt.

प्रश्न 8. एक ऋणी द्वारा ऋणदाता को दिया गया चैक अपर्याप्त राशि होने के कारण बैंक द्वारा अनादरित कर दिया जाता है ऋणदाता की और से ऋणी व्यक्ति ऋण चुकान के लिए दिये जाने वाले कानूनी नोटिस का प्रारूप तैयार कीजिये।

Q. 9 Draft a petition for maintenance by a wife & daughter unable to maintain herself.

प्रश्न 9 पत्नी व पुत्री अपना भरण पोषण करने में असमर्थ हैं उसके भरण पोषण के लिये प्रार्थना पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए।

Q.10 Write Short Notes.

(i) Special power of Attorney (ii) Inter locutory Application (iii) Promissory Note (iv) Rent Deed. (v) Complints & F.I.R (vi) set- off and counter claim.

1. मुख्तारनामा खास 2. अन्तरवर्ती आवदेन 3. वचन पत्र 4. किरायानामा 5. परिवाद एवं एफ.आई.आर.। (6) भुजराई प्रतिसादन प्रतिदावा

Q.11 (A)Draft a bail application for release of an accused arrested in connmection with non-bailable offence.

प्रश्न.11 (अ) गैर जमानतीय अपराध में गिरफ्तार अभियुक्त को जमानत पर छोड़े जाने के लिए जमानत के प्रार्थना–पत्र का प्रारूप तैयार कीजिये।

(B) Draft A Petition of bail.

(ब)जमानत याचिका का प्रारूप बनाये।

Q.12 Draft a Plain by unsound mind or minor person and Indigent Person.

प्रश्न.12 अवस्यक और विकृतचित व्यक्ति तथा निर्धन व्यक्ति के वाद का प्रारूप तैयार कीजिए।

Maharshi Dayanand Law College